भारत – सीरिया संबंध

राजनीतिक :

भारत और सीरिया के बीच मधुर राजनीतिक संबंध हैं जो ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत संबंधों, साम्राज्यवाद एवं उपनिवेश होने के अनुभव, धर्म-निरपेक्ष, राष्ट्रवादी एवं विकासात्मक प्रबोधन तथा अनेक अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर धारणाओं में समानता तथा गुट निरपेक्ष आंदोलन की सदस्यता पर आधारित हैं। अरब के न्यायोचित अभियानों, उल्लेखनीय रूप से फिलीस्तीन के लिए तथा सीरिया को अधिकृत गोलन हाइट्स को लौटाने के लिए भारत के परंपरागत समर्थन को सीरिया के लोगों द्वारा सराहा जाता है। महात्मा गांधी, टैगोर, नेहरू एवं इंदिरा गांधी को बहुत आदर के साथ याद किया जाता है। राजनीतिक स्तर पर संबंध हमेशा अच्छे रहे हैं। राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष / विदेश मंत्री / विदेश राज्य मंत्री के स्तर पर यात्रा के आदान – प्रदान का ब्यौरा नीचे चार्ट में दिया गया है :

राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष / विदेश मंत्री / विदेश राज्य मंत्री के स्तर पर द्विपक्षीय यात्राएं

सीरिया की ओर से भारत की यात्राएं

क्र. सं.	गणमान्य व्यक्ति	तिथि / अवधि
1.	राष्ट्रपति डा. बशर अल असद	जून 2008
2.	राष्ट्रपति हाफेज अल असद	1978 एवं 1983
3.	राष्ट्रपति शुकरी अल क्वात्ली	1957
4.	उप राष्ट्रपति श्री जुहीर मशरक	1991
5.	उप प्रधानमंत्री डा. खालिद राद	जुलाई, 2000
6.	उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री श्री फारूख अल शारा	अगस्त, 2002
7.	उप प्रधानमंत्री डा. अब्दुल्ला दारदरी	जनवरी, 2008
8.	विदेश मंत्री श्री फारूख अल शारा	1988
9.	विदेश मंत्री श्री वालिद अल मौलेम	अगस्त, 2007 एवं 11 से 14 जनवरी, 2014
10.	उप विदेश मंत्री डा. फैसल मिकदाद	अप्रैल, 2006
11.	उप विदेश मंत्री डा. फैसल मिकदाद	जुलाई – अगस्त, 2011
12.	राष्ट्रपति बशर अल असद के राजनीतिक एवं मीडिया सलाहकार डा. बौथैना शाबान	मार्च, 2013

भारत की ओर से सीरिया की यात्राएं

क्र. सं.	गणमान्य व्यक्ति	तिथि / अवधि
1.	महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल	नवंबर 2010
2.	प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी	नवंबर 2003
3.	प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी	1988
4.	प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू	1957 एवं 1960
5.	विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी	1979
6.	विदेश मंत्री श्री प्रणब मुखर्जी	1995
7.	विदेश मंत्री श्री जशवंत सिंह	जनवरी / फरवरी, 2001
8.	विदेश मंत्री श्री यशवंत सिंहा	अगस्त, 2003
9.	वाणि ज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा	जून 2010

10.	राज्य विदेश मंत्री	1992
11.	राज्य विदेश मंत्री श्री ई अहमद	सितंबर, 2005
12.	राज्य विदेश मंत्री श्री ई अहमद	मार्च, 2008

नवंबर, 2003 में प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वायपेयी की सीरिया यात्रा : इस यात्रा के दौरान विविध क्षेत्रों में 9 करारों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की तकनीकी सहायता तथा 1 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदान से दमिस्क में जैव प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना तथा 25 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की घोषणा द्विपक्षीय सहयोग के क्षेत्र में दो सबसे अधिक महत्वपूर्ण घटनाएं थी। राष्ट्रपति बशर अल असद ने 17 से 21 जून, 2008 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया। उनके साथ श्रीमती असद तथा अनेक मंत्री आए थे जिसमें विदेश मंत्री शामिल हैं। यात्रा के दौरान, द्विपक्षीय बी आई पी पी ए और डी टी ए ए पर हस्ताक्षर किए गए जो 2009 में लागू हुए। यात्रा के दौरान, कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक कार्य योजना पर भी हस्ताक्षर किए गए। एक आई टी उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने तथा सीरिया के फास्फोटिक संसाधनों के उपयोग पर एक संभाव्यता अध्ययन करने के लिए भारत के प्रस्ताव को सीरिया द्वारा स्वीकार किया गया।

राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिमा देवीसिंह पाटिल ने 26 से 29 नवंबर, 2010 के दौरान सीरिया का राजकीय दौरा किया। उनके साथ संघीय विद्युत राज्य मंत्री श्री भरत सिंह सोलंकी, दो संसद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी तथा एक विशाल कारोबारी शिष्टमंडल सीरिया के दौरे पर गया था। भारत की ओर से राष्ट्रपति के स्तर पर सीरिया की यह पहली यात्रा थी तथा यह यात्रा बहुत ही सफल रही थी। यात्रा के दौरान, भारत द्वारा सीरिया को 100 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रस्ताव किया गया। सीरिया के एक गैर सरकारी संगठन – आमल को 2 मिलियन सीरियाई पाउंड तथा मिशनरीज ऑफ चेरिटी – एलेप्पो को 1 मिलियन सीरियाई पाउंड से अधिक का योगदान दिया गया। सीरिया को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित प्रशिक्षण स्लाटों की संख्या 45 से बढ़ाकर 90 कर दी गई तथा सीरिया के प्रोफेशनल इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। यात्रा के दौरान, मीडिया के क्षेत्र में सहयोग एवं सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के लिए दो एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत – सीरिया संयुक्त व्यवसाय परिषद शुरू की गई। सीरिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता के लिए अपने समर्थन को दोहराया।

वर्तमान ऊथल – पुथल के दौरान द्विपक्षीय संबंध :

सीरिया ने भारत तथा ब्रिक्स एवं यू एन एस सी के अन्य सदस्यों से प्राप्त समर्थन की दिल से सराहना की है।

प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने अगस्त, 2012 में तेहरान में नाम शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में सीरिया के प्रधानमंत्री श्री वाएल अल हाल्की से मुलाकात की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री हाल्की ने प्रधानमंत्री सिंह को सीरिया में स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान की तथा प्रधानमंत्री सिंह ने सीरिया में सतत हिंसा को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की तथा इस संकट को दूर करने के लिए सीरिया के नेतृत्व में राजनीतिक प्रक्रिया के लिए भारत के समर्थन के बारे में बताया।

सीरिया के उप प्रधानमंत्री डा. फैसल मिकदाद ने देश में सतत रूप से जारी ऊथल – पुथल के दौरान सीरिया को भारत के समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए जुलाई – अगस्त 2011 में भारत का दौरा किया। इब्सा पहल के अंग के रूप में, इब्सा के एक शिष्टमंडल ने अगस्त, 2011 में सीरिया का दौरा किया तथा राष्ट्रपति असाद एवं विदेश मंत्री मौलेम के साथ बैठकें की। वर्तमान संकट को दूर करने के लिए सरकार द्वारा घोषित किए गए उपायों एवं पहलों के बारे में शिष्टमंडल को जानकारी प्रदान की गई।

नई दिल्ली में चौथी ब्रिक्स शिखर बैठक की पूर्व संध्या पर हमारे प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र में राष्ट्रपति असद ने सीरिया की घटनाओं पर ब्रिक्स देशों अपनाए गए दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सीरिया कोफी अन्नान (के ए) के विशेष दूत के कार्य को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। शिखर बैठक ने सीरिया में वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा सभी प्रकार की हिंसा एवं मानवाधिकारों के उल्लंघन को तत्काल बंद करने का

आह्वान किया। उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से इस संकट से निपटने का आह्वान किया जो व्यापक राष्ट्रीय वार्ता को प्रोत्साहित करे तथा विशेष दूत कोफी अन्नान के प्रयासों के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

सीरिया पर यू एन प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (22 एवं 23 जनवरी 2014 को जिनेवा-II शांति सम्मेलन) में, विदेश मंत्री ने निम्नलिखित कहा था :

"भारत का यह विश्वास है कि समाजों को बाहर से व्यवस्थित नहीं किया जा सकता है तथा यह कि सभी देशों के लोगों को अपनी नियति का चयन करने और अपने भविष्य का निर्णय करने का अधिकार है। इस सिद्धांत के आधार पर भारत सीरिया का भविष्य, इसकी राजनीतिक संरचनाएं एवं तेतृत्व चुनने के लिए सीरिया के नेतृत्व में एक सर्व समावेशी प्रक्रिया का समर्थन करता है। और "इस संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता है।"

भारत ने 3 वार्षिक कुवैत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सीरिया को मानवीय सहायता के रूप में 4 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है। इसके अलावा, भारत ने रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओ पी सी डब्ल्यू) में स्थापित ट्रस्ट फंड में 1 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है।

वर्तमान अशांति को लेकर पश्चिम द्वारा निरंतर हमले के कारण भारत के साथ अधिक आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों के निर्माण के लिए सीरिया की ओर से एक नई रूचि प्रदर्शित की गई है।

राष्ट्रपति के मीडिया एवं राजनीतिक सलाहकार डा. बाउथैना शाबन ने मार्च, 2013 में भारत का दौरा किया तथा सीरिया संघर्ष पर भारत के दृष्टिकोण के लिए भारत को धन्यवाद दिया।

पिछले 2 वर्षों के दौरान भारत और सीरिया के बीच पत्रकारों, लेखकों, शिक्षाविदों और टूर ऑपरेटरों का आदान - प्रदान हुआ है।

संयुक्त सचिव (वाना) ने 25 और 26 दिसंबर, 2013 को दमिश्क का दौरा किया था। उन्होंने विदेश मंत्री एवं अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। एसोचैम द्वारा प्रायोजित एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 28 से 30 अप्रैल, 2014 के दौरान दमिश्क का दौरा किया था।

संयुक्त सचिव (वाना) ने विदेश कार्यालय परामर्श के सिलसिले में 22 से 24 फरवरी, 2015 के दौरान पुन: दमिश्क का दौरा किया था।

2015 में, विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 60वें पी सी एफ डी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के लिए सीरिया के एक राजनयिक ने 5 अगस्त से 4 सितंबर 2015 तक भारत का दौरा किया।

उप प्रधानमंत्री, विदेश एवं प्रवासी मामले मंत्री श्री वालिद अल मुआलेम ने 11 से 14 जनवरी, 2016 के दौरान भारत का दौरा किया तथा विभिन्न पहलुओं पर भारत और सीरिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष श्रीमती सुषमा स्वराज के साथ चर्चा की।

वर्ष 2014-15 के दौरान, भारत सरकार के आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत सीरिया के 89 नागरिकों ने भारत में विभिन्न संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भारत का दौरा किया। 2015-16 के दौरान, इस कार्यक्रम के तहत सीरिया को 90 सीटें आबंटित की गई हैं।

आई सी सी आर के माध्यम से भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्तियों के तहत 2014-15 और 2015-16 में सीरिया के क्रमश: 23 एवं 17 छात्रों ने इसका लाभ उठाया तथा वे भारत में भिन्न - भिन्न संस्थाओं में पढ़ाई कर रहे हैं।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक :

भारत – सीरिया संयुक्त आयोग की पहली बैठक नई दिल्ली में जनवरी, 2008 में हुई। संयुक्त आयोग की दूसरी बैठक जून, 2010 में दमिश्क में हुई थी जिसमें भारत की ओर से सह – अध्यक्ष वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा सीरिया की ओर से सह – अध्यक्ष व्यापार एवं वित्त मंत्री थे।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान द्विपक्षीय सहयोग की कुछ परियोजनाएं जिन्हें कार्यान्वित किया गया है या कार्यान्वित किया जा रहा है, निम्नलिखित हैं :

(i) हामा लौह एवं इस्पात संयंत्र के पुनर्वास एवं आधुनिकीकरण के लिए भारत द्वारा 25 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की गई है। इस परियोजना के लिए पहले अंतर्राष्ट्रीय निविदा के माध्यम से अपोलो इंटरनेशनल को परियोजना का ठेका मिला था। यह परियोजना पूरा होने के कगार पर थी परंतु वर्तमान ऊथल – पुथल की वजह से परियोजना की प्रगति रूक गई है।

(ii) भारत ने तिशरीन विद्युत संयंत्र के विस्तार के आंशिक रूप से वित्त पोषण के लिए 100 मिलियन अमरीकी डालर (240 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की पहली खेम) की एक अन्य ऋण सहायता भी प्रदान की है। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी – भेल ने 2 X 200 मेगावाट के विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए अक्टूबर, 2009 में संविदा पर हस्ताक्षरकिया है। सुरक्षा की स्थिति ठीक न होने की वहज से भेल ने इस परियोजना पर कार्य को अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया है।

(iii) आईटी में भारत – सीरिया उत्कृष्टता केंद्र भारत सरकार की सहायता से दमिश्क में स्थापित किया गया है। सीरिया के प्रधानमंत्री द्वारा दिसंबर 2010 में इस केंद्र का उद्घाटन किया गया और वर्तमान चालू संकट के शुरू होने से पहले तक सफलतापूर्वक चल रहा था। सीरिया में चालू संकट के कारण केंद्र के प्रचालन को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है।

(iv) भारत सीरिया के फास्फेट उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक संभाव्यता अध्ययन संचालित करने में सीरिया की मदद कर रहा है। भारतीय कंपनियों का परिसंघ यह अध्ययन कर रहा है जिसमें पी डी आई एल, राइट्स और मेकॉन शामिल है।

(v) भारत ने सीरिया में एक जैव प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 2003 में सीरिया मात्रा के दौरान इस केंद्र का उद्घाटन किया गया।

(vi) उर्वरक क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर अक्टूबर, 2010 में किया गया। यह एम ओ यू सीरिया में फास्टोटिक उर्वरक क्षेत्र के विकास में भारतीय निवेश को सुगम बनाएगा।

(vii) तेल क्षेत्र में सीरिया में भारत के दो उल्लेखनीय निवेश है। पहला, उत्तरी सीरिया में दीयरे जोर के निकट ब्लॉक 24 में तेल / प्राकृतिक गैस के अन्वेषण के लिए जनवरी, 2004 में ओ एन जी सी और आई पी आर इंटरनेशनल के बीच हस्ताक्षरित करार और दूसरा, सीरिया की अल फुरात पेट्रोलियम कंपनी में पेट्रो कनाडा के 37 प्रतिशत शेयर संयुक्त रूप से प्राप्त करने के लिए ओ एन जी सी, भारत और सी एन पी सी चीन द्वारा निवेश सीरिया के तेल क्षेत्र पर यू एस एवं ई यू द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से ओ वी एल को इस समय अपने प्रचालनों में कठिनाइयां हो रही हैं।

(viii) हिमालय हर्बल का एक संयुक्त उद्यम है जो सीरिया में हर्बल औषधियों एवं कास्मेटिक के निर्माण एवं विपणन के लिए तकनीकी माल एवं सामग्री प्रदान करता है।

(ix) महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भविष्य में संयुक्त उद्यम असेंबली के लिए प्रावधान के साथ ट्रैक्टर की आपूर्ति के लिए मैसर्स अल फुरात ट्रैक्टर कंपनी के साथ एक 10 वर्षीय करार पर हस्ताक्षर किया है जिसकी राशि 30 मिलियन यूरो से अधिक हो सकती है।

राष्ट्रपति बशर अल असाद की जून, 2008 में भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय दोहरा कराधान परिहार करार तथा द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं तथा ये करार 2009 से प्रभावी हो गए हैं। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस एम ओ यू में एक कार्य योजना एवं एक कार्य समूह का प्रावधान है। कार्य योजना स्थापित हो गई है तथा नवंबर, 2011 तक के लिए नवीकृत की गई है।

भारत – सीरिया संयुक्त व्यवसाय परिषद (जेबीसी) का उद्घाटन राष्ट्रपति के स्तर पर यात्रा के दौरान नवंबर, 2020 में किया गया। भारत की ओर से श्री बी आर एस नटराजन, अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक, बी ई एम एल तथा सीरिया की ओर से ख्वांडा ग्रुप के श्री अली मेहरान ख्वांडा इस जे बी सी के अध्यक्ष हैं।

द्विपक्षीय व्यापार :

(आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13 (अप्रैल - सितंबर)
निर्यात	672.78*	364.5	345.43	523.03	536.48	177.98
आयात	20.24	157.92	144.69	35.61	177.86	73.75
कुल	693.02	522.42	490.13	558.64	714.34	251.73

*316 मिलियन अमरीकी डालर का एकबारगी निर्यात शामिल है

सीरिया को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं :

टेक्सटाइल एवं यार्न, पेट्रोलियम उत्पाद, परिवहन उपकरण, मशीनरी एवं इंस्ट्रूमेंट, औषधियां, भेषज पदार्थ एवं बारीक रसायन।

सीरिया से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं :

पेट्रोलियम क्रूड एवं प्रोडक्ट तथा खनिज, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रानिक मशीनरी को छोड़कर मशीनरी, लेदर, मोती, बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थर।

सांस्कृतिक संबंध :

सिल्क रूट के माध्यम से और विशेष रूप से अरबी 'कलीला वा डुन्ना' में पंचतंत्र के अनुकूलन के माध्यम से ऐतिहासिक रूप से भारत का सीरिया – अरब संस्कृति पर प्रभाव है। अधिक हाल के प्रभावों में टैगोर और सीरिया में मशहूर कवि तथा भारत में राजदूत उमर अबू रिशेश के प्रभाव शामिल हैं। 1975 से लागू सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम द्विपक्षीय सहयोग की रूपरेखा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत भारत की और अनेक सांस्कृतिक शिष्टमंडलों ने सीरिया का दौरा किया तथा सीरिया से अनेक सांस्कृतिक शिष्टमंडलों ने भारत का दौरा किया। सांस्कृतिक सहयोग के लिए कार्यपापक कार्यक्रम को पिछली बार नवंबर, 2010 में वर्ष 2010 से 2013 के लिए नवीकृत किया गया। 2003 में हस्ताक्षरित एक एम ओ यू के माध्यम से सीरिया के अरब लेखक संघ तथा साहित्य अकादमी के बीच साहित्यिक आदान – प्रदान ने भारत एवं सीरिया के लेखकों की कृतियों के अनुवाद कार्य एवं साहित्य अकादमी एवं अरब लेखक संघ के बीच शिष्टमंडलों के नियमित रूप से आदान – प्रदान का मार्ग प्रशस्त किया है।

भारतीय समुदाय :

सीरिया में भारतीय समुदाय अपेक्षाकृत छोटा है जिनकी संख्या परिवार के सदस्यों सहित एक सौ से भी कम है। शिया – इस्लामिक सेमिनरीज में सैद्धांतिक अध्ययन करने वाले भारतीय छात्र, जिसमें अधिकतर शिया समुदाय से हैं, की बहुलता है। संयुक्त राष्ट्र डिस्इंगेजमेंट प्रेक्षक बल (यू एन डी ओ एफ) के अंग के रूप में गोलन हाइट्स पर भारतीय सेना के 200

सैनिकों की टुकड़ी मौजूद है। शेष भारतीयों में पेशेवर शामिल हैं जो सीरिया की कंपनियों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम कर रहे हैं। देश में सुरक्षा की स्थिति निरंतर खराब होने की वजह से भारतीय समुदाय का आकार काफी सिकुड़ गया है तथा इस समय सीरिया में भारतीयों की संख्या 75 के आसपास है जिसमें दूतावास के कार्मिक भी शामिल हैं।

....

जनवरी, 2016